शोधबोधालय
अंतर्राष्ट्रीय त्रैमासिक सहकर्मी-समीक्षित, रेफर्ड, ओपन एक्सेस शोध पत्रिका
ISSN : 2584-1807
वर्ष 1, अंक 2, जनवरी-मार्च 2024
Online Available : http://shodhbodh.com/

वैश्विक परिदृश्य में मीडिया की भूमिका

पूनम कौर सोनी, सहायक आचार्य, हिंदी
खालसा त्रिशताब्दी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
रतिया, जिला- फतेहाबाद (हरियाणा)
ईमेल - bittuverma81200@gmail.com

सारांश :-

मीडिया ने वैश्विक परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आज इंटरनेट के सहारे सोशल नेटवर्किंग साइट्स, माइक्रोब्लॉगिंग साइट्स, विकीपीडिया, ब्लॉग आदि के द्वारा लोग उपयोगिता के नए आयाम खोज रहे हैं। तकनीकी विकास के कारण इंटरनेट आ गया है, जो हैं। इंटरनेट में ऑडियो और वीडियो दोनों ही होते है। मोबाईल फोन, कम्प्यूटर और इंटरनेट को नए युग के मीडिया की संज्ञा दी जाती है। विश्व भर में इंटरनेट ने जन संचार के लिए नए द्वार खोल दिए हैं-जैसे ई-मेल, वेब ब्लॉग आदि। यह समाचार मीडिया के क्षेत्र में परिवर्तन ला रहा है, क्योंकि अब लोग प्रिंट और संचार मीडिया के स्थान के बजाय, ऑनलाईन सूचना पर अधिक भरोसा करते हैं। इंटरनेट अधिक इंटैरैक्टिव होता है क्योंकि लोग वेब पोर्टल, पोडकास्ट, समाचार समूह और फीड्स से ही अपना समाचार और सूचना अपने आवश्यकतानुसार प्राप्त करते है। दर्शक अपने विचार एवं टिप्पणियाँ ऑनलाइन देते हैं।

सोशल मीडिया ने आम लोगों को सूचना आदान-प्रदान करने के क्षेत्र में मीडिया का हिस्सा बना दिया है। ऐसे कई सारे प्लेटफर्म अब उपलब्ध हो गए हैं जहां लोग अपनी बात रख रहे हैं और उन बातों पर मुख्यधारा की मीडिया गौर भी करने लगी है। मीडिया के बदलते स्वरूप में सोशल मीडिया की अहम भूमिका है। इस कारण मुख्यधारा की मीडिया आम जनता के प्रति और अधिक जिम्मेदार होते जा रही है। दरअसल सोशल मीडिया के विकल्प ने लोगों के सामने एक विकल्प खोल दिया है। ब्लॉग इसका सबसे सशक्त माध्यम बना है। इसके माध्यम से लोग मुहल्ले की खबर से लेकर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी राय रखने लगे हैं। सोशल मीडिया के माध्यमों ने इस क्षेत्र नई खिड़की खोल दी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि इस माध्यम में कंप्यूटर, लैपटॉप, टेबलेट, आई पैड, मोबाइल

शोधबोधालय
अंतर्राष्ट्रीय त्रैमासिक सहकर्मी-समीक्षित, रेफर्ड, ओपन एक्सेस शोध पत्रिका
ISSN : 2584-1807
वर्ष 1, अंक 2, जनवरी-मार्च 2024
Online Available : http://shodhbodh.com/

इत्यादि के साथ इंटरनेट जुड़े होने मात्र से आप सोशल मीडिया का लाभ उठा सकते हैं। यू-ट्यूब इसी तरीके का एक माध्यम है जहाँ आप वीडियो अपलोड कर सकते हैं।

प्रस्तावना

मीडिया शब्द का उद्भव मीडियम शब्द से हुआ है, जिसका अर्थ है माध्यम। मीडिया का उपयोग एक विशाल जन समूह तक पहुँचने के लिए किया जाता है। यह अवैयक्तिक संप्रेशन का माध्यम है, जो कि लिखित, विजयुल या सुनने, अथवा इन सब के मिले जुले स्वरूप हो सकते हैं। इसके तहत दर्शकों को सीधे तौर पर सूचना, संदेश या विचार मेजे जाते हैं। सरल शब्दों में 'मीडिया' शब्द का अर्थ है, विशाल जन समुदाय के साथ संप्रेषण जो कि लिखित रूप में, शब्दों द्वारा या देखने के माध्यम से किया जाता है। यह वह समूह है, जो लोगों के साथ सूचना तथा समाचार सांझा करते हैं। टेलीविजन, रेडियो, समाचार पत्र, मैगजीन, वीडियो, ऑडियो, चलचित्र आदि मीडिया के उदाहरण है। मीडिया की परिभाषा से ही यह स्पष्ट है कि 'यह सूचना प्रसारित करने का व्यवस्थित साधन है। इसके माध्यम से एक बढ़े जन समूह के साथ समय पर, शीघ्र, कुशलता से पहुँचा जा सकता है। मीडिया की विशेषतायें है- यह लाखों लोगों तक बहुत कम समय में पहुँच जाता है, अशिक्षित एवं नेत्रहीन लोगो के लिए ऑडियो मीडिया लाभप्रद है, बहुभाषी अशिक्षित समाज में विज्युअल मीडिया बहुत प्रभावकारी हैं, यह कम लागत और प्रयोक्ता के लिए मैत्रिपूर्ण है। आजकल संपादक को पत्र, जनमत सर्वेक्षण तथा स्वतंत्र संपादिकीय प्रचलन में है जो मीडिया को परस्पर संवादात्मक बनाता है, फिर भी यह संवाद अभी सीमित है।

'न्यू मीडिया' एक व्यापक शब्द है, जिसका चलन बीसवीं शताब्दी के आखिरी वर्षों में शुरु हुआ। न्यू मीडिया पारंपरिक मीडिया से कई मायने में भिन्न है। तकनीकी विकास के साथ न्यू मीडिया शब्द गढ़ा गया, जहां सूचनाओं को लेने-देने के पारंपरिक खांचे से इतर विकल्प उभरे है। न्यू मीडिया का उपयोग करते हुए लोग सूचनाओं को कहीं भी, कभी भी किसी भी डिजीटल उपकरण पर पा सकते हैं। केवल इतना ही नहीं, वे प्राप्त सामग्री पर अपनी बात यानी फीडबैक भी दे सकते हैं और चाहें तो अपना कंटेंट निर्मित कर उसका प्रकाशन-प्रसारण कर सकते हैं। न्यू मीडिया के प्रयोग के लिए कम्प्यूटर, मोबाइल जैसे उपकरण, जिनमें इंटरनेट की सुविधा हो आदि की आवश्यकता होती है। न्यू

शोधबोधालय
अंतर्राष्ट्रीय त्रैमासिक सहकर्मी-समीक्षित, रेफर्ड, ओपन एक्सेस शोध पत्रिका
ISSN : 2584-1807
वर्ष 1, अंक 2, जनवरी-मार्च 2024
Online Available : http://shodhbodh.com/

मीडिया पारंपरिक मीडिया के सापेक्ष एक नया शब्द है। "न्यू मीडिया के अंतर्गत वेबसाइट्स, ऑडियो-वीडियो स्ट्रीमिंग चैट रूम, ईमेल, ऑनलाइन कम्यूनिटी, डीवीडी-सीडी रोम मीडिया, इंटरनेट, टेलीफोनी, मोबाइल कंप्यूटिंग आदि आता है। आसान शब्दों में सोशल नेटवर्किंग साइट्स जैसे फेसबुक ऑर्कुट-गूगल प्लस आदि, माइक्रोब्लॉगिंग साइट मसलन विटर, वीडियो शेयरिंग साइट यूट्यूब, ब्लॉग और मोबाइल फोन आदि का समन्वय न्यू मीडिया है।"[1] मीडिया संचार का औजार है। जैसे रेडियो व अखचारा इसलिए सोशल मीडिया संचार का सामाजिक उपकरण है। सोशल मीडिया एक तरह से दोनों तरफ से आने-जाने वाली रोड है, जो आपको भी बात कहने का अवसर देता है।

वैश्विक परिदृश्य में मीडिया

न्यू मीडिया के तमाम मंचों मसलन फेसबुक, टूविटर, ब्लॉग या यूट्यूब आदि पर लिखने-कहने से व्यक्ति को किसी तरह की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। मीडिया के अन्य माध्यमों यथा समाचार पत्र, पत्रिकाओं एवं टेलीविजन चैनलों की तरह यहां किसी तरह का सेंसर नहीं है। उपयोक्ता ही लेखक-पत्रकार और संपादक है। "इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का जन्म जो 'ग्लोबल विलेज' के स्वरूप निर्धारण का मुख्य आधार है।"[2] 'न्यू मीडिया' संचार का वह संवादात्मक स्वरूप है जिसमें इंटरनेट का उपयोग करते हुए हम पॉडकास्ट, आरएसएस फीड, सोशल नेटवर्किंग साइट, ब्लॉग्स, विकी, टैक्स्ट मैसेजिंग इत्यादि का उपयोग करते हुए, पारस्परिक संवाद स्थापित करते हैं।

प्रिंट मीडिया मीडिया का सबसे पुराना स्वरूप हैं। समाचार पत्र, मैगजीन, जर्नल, बोशर, न्यूज़लेटर, पुस्तक, पत्रक, और पर्चों को सामुहिक रूप से प्रिंट मीडिया कहा जाता है। हम में से अधिकांश लोग अपने दिन की शुरुआत समाचार पत्र के साथ करते हैं। प्रिंट मीडिया के नियमित पाठक कई मुद्धों पर सतर्क और अवगत रहते है। अन्य स्त्रोतों के मुकाबले प्रिंट मीडिया अधिक विस्तृत रिपोर्टिंग करता है। टी वी पर बहुत से समाचार, समाचार पत्र में छपे समाचार की अनुवर्ती कहानी होती है। यद्यपि यह कहा जा रहा है की इलेक्ट्रॉनिक तथा नई मीडिया ने प्रिंट मीडिया का स्थान ले लिया है, किंतु आज भी बहुत सारे दर्शक है, जो समाचार पत्र को प्राथमिकता देते हैं।

शोधबोधालय
अंतर्राष्ट्रीय त्रैमासिक सहकर्मी-समीक्षित, रेफर्ड, ओपन एक्सेस शोध पत्रिका
ISSN : 2584-1807
वर्ष 1, अंक 2, जनवरी-मार्च 2024
Online Available : http://shodhbodh.com/

प्रसारण मीडिया में टेलीविजन, रेडियो तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जैसे- चलचित्र, सीडी और डीवीडी तथा नए यंत्र सम्मिलित है। टेलिविजन के आविष्कार के पूर्व, रेडियो प्रसारण ही समाचार का प्रमुख स्त्रोत था। टेलीविजन के आने के बाद, कम लोग रेडियो पर भरोसा अपने प्राथमिक समाचार संसाधन के रूप में है। स्थानीय समाचार स्टेशन के दर्शक बहुत होते है, क्योंकि वह स्थानीय मौसम यातायात तथा अन्य घटनाओं की पूर्ण खबर प्रसारित करते हैं। भारत में आज भी रेडियो संचार का एक अहम भाग है। ग्रामीण क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा के समय में चेतावनी देने हेतु यह माध्यम उपयोगी है। उस प्रकार से टेलीविजन भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका प्रदर्शन प्रभावी होता है।

मीडिया के इतिहास के बारे में हम पूरी तरह से जागरुक हो गये हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि मीडिया ने लोगों के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने कई चीजों को संभव बनाया, संचार को आसान बनाया, अधिक ज्ञान का प्रसार किया जा सकता था और भौगोलिक सीमाएं अब एक-दूसरे की दुनिया के बारे में जानने से नहीं रुकेंगी। पर्यावरण की निगरानी हमारे आसपास क्या हो रहा है, इसके बारे में जागरूकता और ज्ञान फैलाना मीडिया का कार्य है। यह उन मुद्दों के बारें में जानकारी साझा करता है अंततः लोगों को होने वाले भ्रम को कम करने में मदद मिलती है। इसके अलावा, आम जनता के हित में घोषणाएं एवं सूचनाएं मीडिया के माध्यम से उठाई जाती हैं।

"वर्तमान समय में मीडिया की उपयोगिता व भूमिका निरंतर बढ़ती जा रही है। यह हमारी जीवनशैली का एक आवश्यक अंग बन गया है।"[3] इंटरनेट और सोशल मीडिया की उपस्थिति से पहले, केवल मीडिया चैनल ही मौजूद थे जिन्होंने यह चुना कि किस समाचार या सूचना को प्रसारित किया जाए और पत्रकारों और विशेषज्ञों ने इसकी व्याख्या कैसे की। यह मीडिया कार्य इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे कुछ समाचारों को प्रसारित करने के लिए चुना जाता है और यह कैसे सामान्य रूप से लोगों को प्रभावित कर सकते हैं।

मीडिया सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों को दोहराने में कैसे भूमिका निभाता है। जैसे-जैसे मानदंड विकसित होते हैं, वैसे ही मीडिया और कुछ सूचनाओं का चित्रण भी होता है। मीडिया में शिक्षा और मनोरंजन कार्य भी शामिल है कि कैसे मीडिया लोगों को किसी ऐसी चीज का हिस्सा

शोधबोधालय
अंतर्राष्ट्रीय त्रैमासिक सहकर्मी-समीक्षित, रेफर्ड, ओपन एक्सेस शोध पत्रिका
ISSN : 2584-1807
वर्ष 1, अंक 2, जनवरी-मार्च 2024
Online Available : http://shodhbodh.com/

बनने के लिए शिक्षित और मनोरंजन करता है जिसे वे सामान्य रूप से अनुभव नहीं कर सकते हैं या मनोरंजन के अन्य साधन प्रदान कर सकते हैं।

जन संचार ऐसे लाखों लोगों की सेवा करता है जो कई विषयों और मामलों पर सूचना चाहते हैं। "डिजिटल संचार इस तथ्य को एक आधार प्रदान करता है कि मीडिया टेलीकम्यूनिकेशन, कम्प्यूटर उद्योग का एक साथ करना संभव है।"[4] ब्रॉड कास्टिंग द्वारा सूचनाओं को संबंधित जुड़े लोगों तक पहुँचाया जाता है। ब्रॉडकास्टिंग को ऑडियो या वीडियो वितरण के एक रूप के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो किसी कार्यक्रम को श्रोता तक पहुंचाता है। श्रोता आम जनता या अपेक्षाकृत छोटे-बड़े श्रोता हो सकते हैं जैसे कि बच्चे या नौजवान। फिर भी ब्रॉडकास्ट शब्द मूल रूप से बीज को फैलाकर या छिटकाकर बोने की प्रक्रिया है, इस शब्द को पूर्व में कुछ अभियंताओं या इंजीनियरों ने ग्रहण किया था।

कम्प्यूटरों को प्रयोग कार्यालयों की दैनिक समस्याओं के निदान-निपटाने में भी हो रहा है। सरकारी-गैरसरकारी, सभी कार्यालयों में अनेक पत्र-पत्रक रिपोर्ट अनुबंध, फार्म आदि की आवश्यकता निरंतर बनी रहती है। एक बार इनके खाके कम्प्यूटर में भरने के बाद आवश्यक होने पर तुंरत उन्हें पुनः संपादित संशोधित कर प्रयोग में लाया जा सकता है। इलेक्ट्रॉनिक कार्यालय में फाइलों, सूचनाओं, संदेशों के प्रसारण संग्रहण ओर प्रयोग का काम कम्प्यूटरों के माध्यम से किया जाता है। निर्णय प्रक्रिया में बहुत सुधार ओर तीव्रता आ गई है। प्रशासकीय एवं सचिवीय कार्यों के संपादन में अनेक सॉफ्टवेयर सहायक रहते हैं। कुछ प्रमुख उदाहरण हैं एम. एस. वर्ड, वर्ड स्टार, कार्ड-राईटर तथा एक्सेल आदि। आजकल अनेक कार्यालयों में रोजमर्रा के कामों के लिए एम एस एक्सेस का प्रयोग हो रहा है। कम्प्यूटर तो अब आपकी मेज पर रखा मुद्रणालय भी बन गया है। इसमें शब्द, छाया और रेखा चित्रों का संपादन-मुद्रण सहज ही हो जाता है। इन सारी सामग्रियों में आवश्यकतानुसार आकार आदि प्राचलों को बदल कर उसे निश्चित आकार के पृष्ठ में समाहित किया जा सकता है। अब तो प्रकाशन उद्योग इसी विधि का प्रयोग कर समाचार पत्र, पत्रिकाएं और पुस्तकों का प्रकाशन करने लगा है।

शिक्षा और शोधकार्यों में तो मीडिया एक वरदान सिद्ध हुई है। इंटरनेट की सुविधाओं ने पूरा ही परिदृश्य बदल डाला है। सूचना प्रौद्योगिकी को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और संप्रेषण के अनेक आयामों

शोधबोधालय
अंतर्राष्ट्रीय त्रैमासिक सहकर्मी-समीक्षित, रेफर्ड, ओपन एक्सेस शोध पत्रिका
ISSN : 2584-1807
वर्ष 1, अंक 2, जनवरी-मार्च 2024
Online Available : http://shodhbodh.com/

का सम्मिश्रण माना गया है। उपयुक्त प्रशिक्षण प्रविधियों के माध्यम से यह हमारी विचार प्रक्रिया को समस्या निदान और समाधान की ओर प्रेरित करती है। ये प्रशिक्षण सॉफ्टवेयर अब स्कूल से लेकर उच्च व्यवसायिक शिक्षा स्तरों तक के लिए उपलब्ध हैं। अनेक शिक्षा संस्थानों में कम्प्यूटरों का प्रयोग सामान्य शिक्षण के लिए होने लगा है। प्रत्येक स्तर के छात्रों के लिए कम्प्यूटर आधारित शिक्षण सॉफ्टवेयर लिखे जा रहे हैं। इनमें समस्याओं के निरूपण, निदान और समाधान की बड़ी व्यवस्थित प्रस्तुति रहती है। इससे छात्रों को विषय की तर्काधारित सूझ विकसित करने में भी सहायता मिलती है। स्कूलों में कम्प्यूटरों का प्रयोग व्यक्तिगत एवं सहकारी स्तर पर अध्ययन के लिए हो सकता है। गणित, तर्क और मूल वैज्ञानिक विषयों की प्रस्तुतियों को दोहराने वाले अनेक सॉफ्टवेयर सुलभ हैं।

जब नए मीडिया के संदर्भ में इसका प्रयोग होता है, तो ऐसा लगता है कि यह माध्यम बड़े पैमाने पर द्विदिशात्मक संवाद करने में सफल हो सकता है। इसका तात्पर्य ऐसी अवस्था से है जहाँ श्रोता या ग्राहक दोनों संचार की प्रक्रिया में भाग ले रहे हों। नया मीडिया इस संचार प्रक्रिया के लिए लिखित नोट, टिप्पणी और प्रतिपुष्टि प्रदान करके, बेहतर प्लेटफार्म प्रदान करता है। ब्लॉगिंग और माइक्रो-ब्लॉगिंग जैसे कि ब्लॉगर, फेसबुक और ट्वीटर इस युग में बहुत लोकप्रिय हुए हैं। ये वेबसाईट लोगों के विचार प्रस्तुत करने में काफ़ी सफल हुई है। फेसबुक का अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव में ओबामा ने किया गया था। भारत में भी इंटरनेट के नई मीडिया के प्लेटफार्म को कई मीडिया संगठनों और बिना फायदे वाले संगठनों द्वारा जन संवाद के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है तथा सिविल समाज को भी शामिल किया जा रहा है।

न्यू मीडिया का यह नया प्लेटफार्म धीरे-धीरे और व्यापक हो रहा है। इंटरनेट या न्यू मीडिया या मल्टीमीडिया उपकरण था, पर इसकी संख्या और सेवा में बढ़ोत्तरी हो रही है। इसीलिए नई मीडिया एक स्तर तक संचार के क्षेत्र में लोगों की सहभागिता निर्मित करने रेडियो तथा टेलीविजन की तरह सफल हुआ है। "सारी दुनिया को ग्लोबल विलेज के रूपक में बांधने का काम किया टीवी और उपग्रह ने। टीवी ने विश्व समुदाय को जन्म दिया, आज हमारे बीच में ज्यादा से ज्यादा बहुराष्ट्रीय चैनल आ रहे हैं। इंटरनेट ने इस प्रक्रिया को नई ऊंचाइयां दी।"[5] सूचना और संचार के इतिहास में आज इंटरनेट एक क्रांतिकारी अवस्था में पहुँच गया है। किंतु संजालों का संजाल भी विशेषतः रुचिकर

शोधबोधालय
अंतर्राष्ट्रीय त्रैमासिक सहकर्मी-समीक्षित, रेफर्ड, ओपन एक्सेस शोध पत्रिका
ISSN : 2584-1807
वर्ष 1, अंक 2, जनवरी-मार्च 2024
Online Available : http://shodhbodh.com/

मामला है क्योंकि यह हमें हर चीज तक पहुँचा रहा है। यह सामान्यतः डिजिटल नेटवर्को का संभावित रूप है। यह लंबे इतिहास का परिणाम है जिसने इस नेटवर्क को फैलाया। प्रारंभिक चुनाव मूल रूप से उन नायकों का प्रतिनिधित्व था जिन्होंने संचार को मुक्त, सार्वभौमिक और सोपानहीन नेटवर्क का सपना देखा था।

नए प्रौद्योगिकी के विस्तार ने कारपोरेट दुनिया में मुख्य कंप्यूटर और माइक्रोकंप्यूटिंग द्वारा खोला गया खुला मॉडल संयोजित करके एक केंद्रित मॉडल बनाया। घर तथा बाहर इंटरनेट सूचना और संचार के कई साधनों को संयोजित करता है। यह वर्चुअल समूह में अंतर्वैयक्तिक और सामूहिक संचार के लिए एक रास्ता है, किंतु बहुस्रोतीय सूचना के लिए भी एक नया माध्यम है। किंतु यह बहुरूपी सूचना और संचार उपकरण व्यावसायिक और निजी क्षेत्रों में अलगाव उत्पन्न करके क्षति भी पहुँचाता है। इस पर या इससे घर पर काम करना आसान करता है और कभी-कभी कार्यस्थल पर भी निजी चीजों पर भी ध्यान देता है। रेडियो और टेलीविजन एक तरफ और दूसरी तरफ टेलीफोन बड़ी तेजी से आर्थिक और मीडिया प्रारूप में मानकीकृत हुए हैं। इंटरनेट मौलिक रूप से अनेकरूपी रहा है।

निष्कर्ष :-

मीडिया का एक प्रमुख कार्य है, जनता में विभिन्न मुद्दों को लेकर विधि शासन के प्रति जागरूकता उत्पन्न कराना तथा लोगों को सूचना उपलब्ध कराना, चाहे वह कार्यकारी या प्रशासनिक कार्यवाही लेख आदि हो। अधिकांश लोगों को सरकार, समाज, सम-सामयिकी की जानकारी मीडिया से मिलती है। यह जागरूक, जिम्मेदार और अवगत समाज के निर्माण में सहायक होता है।

संदर्भ ग्रंथ :-

1. संपा. सुबोध कुमार, न्यू, मीडिया, पृ.04
2. अमित कुमार विश्वास, भूमंडलीकरण : मीडिया की आचार संहिता, पृ.79
3. डॉ. विकास कुमार शर्मा, डॉ. भारतेंदु गौतम, वैश्विक चिंतन के नूतन आयाम, पृ.146
4. जोसेफ गाथिया, मीडिया और सामाजिक बदलाव : तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भूमंडलीकरण एवं मानवाधिकार, पृ.12
5. जगदीश्वर चतुर्वेदी, सुधा सिंह, भूमंडलीकरण और ग्लोबल मीडिया, पृ. 292